



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3 उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3 Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 256] नई दिल्ली, शनिवार, मई 20, 1978/वैशाख 30, 1900
No. 256] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 20, 1978/VAISAKHA 30, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य, नागरिक पूति और सहकारिता मंत्रालय

(नागरिक पूति और सहकारिता विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 20 मई, 1978

का० आ० 345(अ):—केन्द्रीय सरकार की राय है कि धाय के, जो एक आवश्यक वस्तु है, प्रदाय को बनाए रखने के लिए और उसका साम्यपूर्ण वितरण सुनिश्चित करने के लिए, ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है,

अतः अब, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम धाय (व्यवहारियों का रजिस्ट्रीकरण और स्टाको की बोधना) द्वितीय आदेश, 1978 है ।

(2) यह कुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएँ :— इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'कमीशन अधिकर्ता' से ऐसा कमीशन अधिकर्ता अभिप्रेत है जिसे ऐसे अधिकर्ता के रूप में कारबार के रुढ़िक अनुक्रम में चाय बेचने का या चाय बेचने के प्रयोजनों के लिए चाय को प्रेषित करने का, या चाय खरीबने का प्राधिकार प्राप्त है;

(ख) 'व्यवहारी' से चाय का व्यवहारी अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत दलाल, कमीशन अधिकर्ता, विनिर्माता और गोदाम रक्षक भी हैं;

(ग) 'राज्य आदेश' से आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) के उपबंधों के अधीन किसी राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा चाय के संबंध में जारी किया गया और तत्पश्चात् प्रवृत्त आदेश अभिप्रेत है।

(घ) 'चाय' से कमेनिया गार्नेन्सिस (एल) ओ कुन्जे नामक पौधा, और साथ ही उक्त पौधे की पत्तियों से बने उत्पाद की, जो वाणिज्य जगत में चाय के नाम से, जिसके अन्तर्गत हरी चाय भी है, ज्ञात है, सभी किस्में अभिप्रेत हैं;

(ङ) 'गोदाम रक्षक' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके स्वामित्व में ऐसा कोई गोदाम हो या जो ऐसा कोई गोदाम बनाए रखता हो जहाँ नीलाम द्वारा अथवा अन्य प्रकार से बिक्री के प्रयोजनार्थ चाय का भण्डारण किया जाता है;

(च) यहाँ प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो उन्हें प्रमणः चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) से दिए गए हैं।

3. व्यवहारियों का रजिस्ट्रीकरण — किसी राज्य आदेश में किसी बात के होते हुए भी, इस आदेश के प्रवृत्त होने से 30 दिन की अवधि का अवसान होने के पश्चात् कोई व्यक्ति, यदि उसके कब्जे में चाय का 1000 किलोग्राम से अधिक स्टॉक हो तो, व्यवहारी के रूप में तब तक कोई कारबार नहीं करेगा जब तक कि वह राज्य आदेश के उपबन्धों के अनुसार इस रूप में रजिस्ट्रीकृत न हो।

परन्तु जहाँ व्यवहारी के रूप में कारबार करने वाले किसी व्यक्ति को चाय (व्यवहारियों का रजिस्ट्रीकरण और स्टॉकों की घोषणा) आदेश, 1978 के खंड 3 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किया गया है वहाँ उसे इस खंड के अधीन रजिस्ट्रीकृत किया गया समझा जाएगा।

4. विवरणीयः—प्रत्येक व्यवहारी ऐसे प्राधिकारी को, जिसे राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस निमित्त राज्य सरकारें विनिर्दिष्ट करें, अपने द्वारा रखी गई चाय के उसने स्टॉक को, जिसका 1000 किलोग्राम से अधिक हो एक पाक्षिक विवरणी देगा।

5. राज्य आदेशों का लागू होना —राज्य आदेशों के उपबन्ध ऐसे किसी मामले की बाबत लागू होंगे जिसके लिए इस आदेश में विनिर्दिष्टनया कोई भी उपबन्ध नहीं किया गया है।

6. निरसनः—चाय (व्यवहारियों का रजिस्ट्रीकरण और स्टॉकों की घोषणा) आदेश, 1978 निरसित किया जाता है।

[का०सं० 26(3)/78-ई०सी०आर०]

टी० बालकृष्णन्, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & CO-OPERATION

(Deptt. of Civil Supplies & Co-operation)

ORDER

New Delhi, the 20th May, 1978

S.O.345 (E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies of tea, an essential commodity, and for securing its equitable distribution;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Second Order, 1978.

(2) It shall come into force at once.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

- (a) "commission agent" means a commission agent having in the customary course of business as such agent authority either to sell tea, or to consign tea for the purpose of sale or to buy tea;
- (b) "dealer" means a dealer in tea, and includes a broker, commission agent, manufacturer and a warehouse keeper;
- (c) "State Order" means any Order issued by any State Government or Union Territory Administration under the provisions of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) in relation to tea and in force for the time being;
- (d) "tea" means the plant *Camellia Sinensis* (L) O. Kuntze as well as all varieties of the product known commercially as tea made from the leaves of the said plant, including green tea;
- (e) "warehouse keeper" means a person who owns or maintains a warehouse wherein tea is stored for the purposes of sale either by auction or otherwise;
- (f) words and expressions used but not defined herein shall have the meanings respectively assigned to them in the Tea Act, 1953 (29 of 1953).

3. Registration of dealers.—Notwithstanding anything contained in any State Order, after the expiration of a period of 30 days from the coming into force of this order, no person shall, if the stocks of tea in his possession exceed 1,000 kilograms, carry on business as a dealer unless he is registered as such in accordance with the provisions of a State Order:

Provided that where any person carrying on business as a dealer has registered under clause 3 of the Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1978, he shall be deemed to have been registered under this clause.

4. Returns.—Every dealer shall furnish fortnightly returns to such authority as may be specified by the State Governments in this behalf by notification in the Official Gazette in respect of such stocks of tea held by him as are in excess of 1,000 kilograms.

5. State Orders to apply:—The provisions of the State Orders shall apply in respect of any matter for which no provision has been specifically made in this Order.

6. Repeal.—The Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1978, is hereby repealed.

[F. No. 26(3)/78-ECR]

T. BALAKRISHNAN, Jt. Secy.